

अनमोल दावा

सच्चा चाहने वाला आपसे प्रत्येक तरह की बात करेगा। आपसे हर मसले पर बात करेगा। लेकिन धोखा देने वाला सिर्फ़ प्यार भरी बात करेगा।

देनों में महिला चालकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रेल इंजन में बुनियादी सुविधाओं की जरूरत

इंजन में बुनियादी सुविधाओं के अभाव की स्थिति में पुरुष चालक तो किसी तरह अपना काम छला लेते हैं, लेकिन महिलाओं के सामने बहुसंख्यीय चुनौतियां होती हैं कि वे अपनी इयूटी या फिर निजी जरूरतों के लिए ट्रेन से बाहर कैसे जाएं।

इस बात की कल्पना भी असहज कर दे सकती है कि किसी व्यक्ति को चार-पांच घंटे या उससे ज्यादा देर तक लगातार काम करते रहना पड़े और जरूरत पड़ने भी उसके लिए शौचालय की सुविधा न हो। मगर यह समस्या एक विद्युत बन जाती है जब इस तरह की मुश्किल महिला कर्मचारियों से जुँगी हो।

देश में चलने वाली रेलगाड़ियों में आमतौर पर सभी डिलीरों में शौचालय की सुविधा होती है और यात्री अपनी जरूरत के मुताबिक उसका उपयोग करते हैं। मगर ट्रेन के इंजनों में आमतौर पर शौचालय की व्यवस्था नहीं होती है, जिसकी वजह से चालकों को अन्य विकल्प अपनाने पड़ते हैं। इस बुनियादी सुविधा के अभाव की स्थिति में महिलाओं को कैसी समस्या होती होगी, इसका अंदाजा भर लगाया जा सकता है। यही वजह है कि महिला ट्रेन चालकों के एक समूह ने रेलवे बोर्ड से आग्रह किया है कि या तो उनके कामपाज की दद्दीय परिस्थितियों में सुधार किया जाए या फिर उन्हें अन्य विभागों में स्थानांतरित कर दिया जाए।

भारतीय रेल के व्यापक तंत्र में तमाम समस्याओं पर बात होती रही है, उसमें सुधार के लिए काम होते रहे हैं। इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा बनाने के दावों के बीच बूलेट ट्रेन या अत्यधिक सुविधाओं से लैस ट्रेनों के संचालन की घोषणा होती रही है। मगर ट्रेन को चलाने और गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाने की जिम्मेदारी जिन चालकों पर होती है, उनकी सुविधा-असुविधा पर बहुत कम बात होती है।

इंजन में बुनियादी सुविधाओं के अभाव की स्थिति में पुरुष चालक तो किसी तरह अपना काम छला लेते हैं, लेकिन महिलाओं के सामने बहुसंख्यीय चुनौतियां होती हैं कि वे अपनी इयूटी या फिर निजी जरूरतों के लिए ट्रेन से बाहर कैसे जाएं। उन्हें शौचालय की सुविधा की कमी और माहवारी के समय पैड नहीं बदल पाने सहित कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

सवाल है कि अत्यधिक तकनीकों से लैस उच्च गति वाली देने चलाने की घोषणाओं के बीच इनके इंजन के शौचालयों की सुविधा से लैस वर्क्यों नहीं किया जा सकता? देनों में महिला चालकों की जरूरतों का ध्यान रखते हुए अगर रेलगाड़ियों के इंजन में बुनियादी सुविधाओं को इंतजाम किया जाता है, तभी आधुनिकीकरण या इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने के दावों का कोई मतलब है!

बटोरन नहीं बांटन लाल बने

विजय मिश्र 'अमित'

सुधि के जीवों में मनुष्य की गिनती एक विकाशील प्रणाली के रूप में होती है। इसलिए त्यग, दान और दान जैसे भाव की अपेक्षा मनुष्य से स्वाभाविक रूप से की जाती है। इतिहास साथी है अधिकारिक त्यग की भावना के रूप में विद्युत हुए। राजा हरिहर, मर्हिंद दशीच, दानवीं कर्ण, मायोदा पुरुषोत्तम राम राम मायोदा शर्वज, इसके आदर्श उदाहरण हैं। उन्होंने संदेश दिया कि-खुद दूसरों पर लूटाने वाले किसी को लुटा नहीं करते, परं वही अच्छे लगते हैं जो डगलियों से टूटा रखते हैं।

मनुष्यों को बटोरन लाल नहीं बांटन लाल बनने तत्पर रहना चाहिए अर्थात् हमेशा लालकर की गठरी को बड़ा करने के बजाय अपनी गठरी में अनवासीक संचयन अनी दौलत-पूर्ण में खेल रखते हैं। त्याग की प्रतीत से ही मनुष्य के भीतर, दया, दानशीलता का गुण विकसित होता है।

दान का अर्थ स्थूल रूप में धन दान से ही लिया जाता कि यह कोरा भ्रम है, इससे यही भाव होता है कि निर्धन इसान तो दान कर ही नहीं सकता। ऐसे भ्रम को दूर करने के लिए ही सभी धर्मों में धन दान के अलावा श्रमदान, विद्या दान, जल दान, नेत्रदान, रक्तदान देहदान का भी ज्ञेय विनाशक होता है।

आप रसें में कहीं जा रहे हैं और कोई

रिक्षा, ठेला वाला चढ़ाई वाली जगह पर बाज़ा भर अपने रिक्षा ठेला को नहीं खींच

चिंतन आलेख

या रहा है। इससे से तरबत हो चला है। उस बक उसे अनमोल दावा करने के बजाय आप अपनी गाड़ी से चढ़ाई चढ़ाने के बदले देते हैं। इसका ठेला को ढकेलकर ऊपर तक चढ़ा देते हैं तो वह श्रमदान आपके धन दान से अधिक महत्व रखता है।

ऐसे ही गरसे में कहीं जा रहे हैं और किसी

सार्वजनिक व्यापार के रूप में विद्युत हुए।

राजा हरिहर, मर्हिंद दशीच, दानवीं कर्ण, मायोदा

पुरुषोत्तम राम राम मायोदा शर्वज,

इसके आदर्श उदाहरण हैं।

उन्होंने संदेश दिया कि-खुद

मर्हिंद दशीच, दानवीं कर्ण, मायोदा

पुरुषोत्तम राम राम मायोदा शर्वज,

इसके आदर्श उदाहरण हैं।

उन्होंने संदेश दिया कि-खुद

मर्हिंद दशीच, दानवीं कर्ण, मायोदा

पुरुषोत्तम राम राम मायोदा शर्वज,

इसके आदर्श उदाहरण हैं।

उन्होंने संदेश दिया कि-खुद

मर्हिंद दशीच, दानवीं कर्ण, मायोदा

पुरुषोत्तम राम राम मायोदा शर्वज,

इसके आदर्श उदाहरण हैं।

उन्होंने संदेश दिया कि-खुद

मर्हिंद दशीच, दानवीं कर्ण, मायोदा

पुरुषोत्तम राम राम मायोदा शर्वज,

इसके आदर्श उदाहरण हैं।

उन्होंने संदेश दिया कि-खुद

मर्हिंद दशीच, दानवीं कर्ण, मायोदा

पुरुषोत्तम राम राम मायोदा शर्वज,

इसके आदर्श उदाहरण हैं।

उन्होंने संदेश दिया कि-खुद

मर्हिंद दशीच, दानवीं कर्ण, मायोदा

पुरुषोत्तम राम राम मायोदा शर्वज,

इसके आदर्श उदाहरण हैं।

उन्होंने संदेश दिया कि-खुद

मर्हिंद दशीच, दानवीं कर्ण, मायोदा

पुरुषोत्तम राम राम मायोदा शर्वज,

इसके आदर्श उदाहरण हैं।

उन्होंने संदेश दिया कि-खुद

मर्हिंद दशीच, दानवीं कर्ण, मायोदा

पुरुषोत्तम राम राम मायोदा शर्वज,

इसके आदर्श उदाहरण हैं।

उन्होंने संदेश दिया कि-खुद

मर्हिंद दशीच, दानवीं कर्ण, मायोदा

पुरुषोत्तम राम राम मायोदा शर्वज,

इसके आदर्श उदाहरण हैं।

उन्होंने संदेश दिया कि-खुद

मर्हिंद दशीच, दानवीं कर्ण, मायोदा

पुरुषोत्तम राम राम मायोदा शर्वज,

इसके आदर्श उदाहरण हैं।

उन्होंने संदेश दिया कि-खुद

मर्हिंद दशीच, दानवीं कर्ण, मायोदा

पुरुषोत्तम राम राम मायोदा शर्वज,

इसके आदर्श उदाहरण हैं।

उन्होंने संदेश दिया कि-खुद

मर्हिंद दशीच, दानवीं कर्ण, मायोदा

पुरुषोत्तम राम राम मायोदा शर्वज,

इसके आदर्श उदाहरण हैं।

उन्होंने संदेश दिया कि-खुद

मर्हिंद दशीच, दानवीं कर्ण, मायोदा

पुरुषोत्तम राम राम मायोदा शर्वज,

इसके आदर्श उदाहरण हैं।

उन्होंने संदेश दिया कि-खुद

मर्हिंद दशीच, दानवीं कर्ण, मायोदा

प

